सत्यमेव जयते

हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम-2019

(दिनांक 1 सितंबर से 13 सितंबर 2019)

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

(पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार)

क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल

अनुक्रमणिका

क्रमांक	कार्यक्रम विवरण	पृष्ठ क्रमांक
01	हिन्दी दिवस का महत्व व कार्यालयीन हिन्दी कार्य	01
02	हिन्दी-पखवाड़ा कार्यक्रम 1 से 13 सितंबर 2019	05
03	यूनिकोड टंकण प्रतियोगिता - 04.09.2019	07
04	हिन्दी' प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता - 05.09.2019	08
05	'राजभाषा क्विज' प्रतियोगिता - 11.09.2019	09
06	"प्लास्टिक प्रदूषण' व 'जल संरक्षण की मानव जीवन में उपयोगिता'' विषय पर हिन्दी संभाषण प्रतियोगिता- 13.09.2019	10
07	हिन्दी टिप्पण व आलेखन' प्रतियोगिता	10
08	राजभाषा कार्यान्वयन समिति की द्वितीय बैठक - 13.09.2019	11
09	सांस्कृतिक कार्यक्रम व पुरस्कार वितरण समारोह 13.09.2019	13
10	कार्यक्रम की अन्य झलकियाँ	16
11	समापन कार्यक्रम	25
12	प्रतियोगिता परिणाम	26

हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम 2019 : प्रतिवेदन

01. हिन्दी दिवस का महत्व व कार्यालयीन हिन्दी कार्य

"हिंदी हैं हम, वतन है हिंदोस्तां हमारा" हर हिंदुस्तानी इस पंक्ति को बड़े उत्साह से गाता हैं। यह पंक्ति हम हिंदुस्तानियों के लिए अपने आप में एक विशेष महत्व रखती है। हर साल 14 सितंबर का दिन हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है, क्योंकि इसी दिन भारत की संविधान सभा ने देवनागरी लिपि में लिखी गई हिंदी भाषा को भारतीय गणराज्य की आधिकारिक भाषा घोषित किया गया था। 26 सितंबर 1950 को भारतीय संविधान द्वारा इसे आधिकारिक भाषा के रूप में उपयोग करने की मंजूरी दे दी गयी।

यह सत्य है कि अंग्रेजी भाषा का इस्तेमाल दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि अंग्रेजी एक ऐसा माध्यम है, जिसका विश्व स्तर पर सबसे ज्यादा उपयोग किया जाता है। यही वजह है कि हम लोगों को अंग्रेजी सीखनी पड़ती है, लेकिन इसका मतलब यह बिल्कुल भी नहीं है कि हम अपनी मातृ भाषा को बोलने या सीखने में संकोच करें। अगर हम ऐसा करेंगे तो यह विलुप्त होने की कगार पर पहुँच जाएगी। आज विश्व में ऐसे देश भी हैं, जो अपने देश में केवल अपनी राष्ट्रभाषा में ही काम को महत्व देते हैं। रूस, चीन, जापान ऐसे ही उदाहरण हैं इन देशों में इनकी ही भाषा में काम को महत्व दिया जाता है और यही वजह है कि इनकी भाषा लगातार उन्नत होती रही है। क्या ऐसा हमारे देश में होना संभव नहीं? यकीनन ऐसा संभव है, लेकिन उसके लिए हम सबको सोचना होगा और इस दिशा मे प्रयास करने होंगे। आज अंग्रेजी विश्व की भाषा इसलिए बन पाई क्योंकि अंग्रेजों ने अंग्रेजी को हमेशा जिंदा रखा। वे जहाँ भी गए उन्होने केवल अंग्रेजी में ही काम और संवाद को महत्ता दी। जिस देश को भी अंग्रेजों ने उपनिवेश बनाया वहाँ, वे अपनी संस्कृति और सभ्यता के निशान

छोड़ते गए और देखते ही देखते उनकी सभ्यता और संस्कृति को पूरे विश्न ने अपना लिया। ऐसा हमारी हिंदी के साथ भी हो सकता है, लेकिन इसके लिए हमें निरंतर प्रयासरत रहना होगा, तभी हिंदी को विश्व पटल पर ले जाया जा सकता है।

विश्व हिंदी दिवस हर साल 10 जनवरी को मनाया जाता है। विश्व हिंदी दिवस का उद्देश्य विश्व भर में हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए वातावरण निर्मित करना और

हिंदी को अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में पेश करना है। विदेशों में भारत के दूतावास इस दिन को विशेष रूप से मनाते हैं। इस दिन सभी सरकारी कार्यालयों में विभिन्न विषयों पर हिंदी के लिए अनूठे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। विश्व हिंदी दिवस मनाने की शुरुआत को पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह के द्वारा 10 जनवरी 2006 को की थी। तभी से हर वर्ष 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस मनाया जाता है।

दुनिया भर में हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए पहला विश्व हिंदी सम्मेलन 10 जनवरी 1975 को नागपुर में आयोजित किया गया था। इसलिए इस दिन को विश्व हिंदी दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। इस सम्मेलन में 30 देशों के 122 प्रतिनिधि शामिल हुए थे। 2006 के बाद से हर साल 10 जनवरी को विश्व भर में विश्व हिंदी दिवस मनाया जाता है। राजभाषा के सतत विकास हेतु अनेक स्तरो पर कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है इस संदर्भ में वैश्विक स्तर पर गत वर्ष 11 वाँ विश्व हिंदी सम्मलेन 18 से 20 अगस्त, 2018 को मॉरिशस में आयोजित किया गया था। 12 वाँ विश्व हिंदी सम्मेलन का आयोजन 2021 में मध्य प्रदेश के देवास में किया जाएगा।

भाषा वह साधन है जिसके माध्यम से प्रत्येक प्राणी अपने विचारों को दूसरों से अभिव्यक्त करता है। यह ऐसी दैवीय शक्ति है, जो मनुष्य को मानवता प्रदान करती है और उसका सम्मान तथा यश बढ़ाती है।

प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध आयामों में 'कार्यालयीन हिन्दी का प्रमुख स्थान है। सरकारी एवं गैर सरकारी कार्यालयों के कामकाज तथा प्रशासन में प्रयुक्त होने वाली हिन्दी का रूप कार्यालयीन हिन्दी कहा जा सकता है। इसे प्रशासनिक हिन्दी भी कह सकते है। इसमें अभिधापरक शुद्ध, सरल, स्वाभाविक भाषा का प्रयोग किया जाता है। इसमें कर्मवाच्य की प्रधानता रहती है। सरकारी अधिकारी का कोई निर्णय व्यक्तिगत नहीं होता, वह अदृश्य सरकार का निर्णय होता है, जैसे सर्वसामान्य को सूचना दी जाती है कि ...., संस्तुति के साथ आगे प्रेषित आदि। कार्यालयीन हिन्दी में तथ्यों पर अधिक बल दिया जाता है। साथ ही, शिष्टता का सर्वथा ध्यान रखा जाता है। कार्यालयीन हिन्दी का विकास अंग्रेजी से प्रभावित वातावरण में हुआ है, जिससे इसमें विनम्रता आ गई है। इसकी शब्दावली प्राय: निर्धारित सी होती है। इसलिए विद्वत्ता प्रदर्शित करने के लिए कोई गुंजाइश नहीं होती है।

चूंकि भाषा सरकार व जन साधारण के बीच में संवाद प्रेषण का माध्यम बनती है, अतएव यह आवश्यक है कि प्रशासकीय कार्य में उपयोग की जाने वाली हिन्दी सरल, सहज तथापि संस्कारयुक्त एवं भाषा के मान्य नियमों के अनुकूल हो। इस दृष्टि से स्वतंत्रता के पश्चात जनसाधारण की दृष्टि से हिन्दी का, जो सरल एवं सहिष्णु स्वरूप विकसित हुआ है वह राजभाषा हिन्दी या प्रशासनिक हिन्दी के रूप में परिभाषित हुआ।

राजभाषा नियमों के संवैधानिक प्रावधानों के अनुपालन तथा इसके विकास एवं संवर्धन में सदैव प्रतिभागी रहते हुए क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल में भी इस दिवस

को मनाने की अत्यंत गौरवशाली परम्परा रही है तथा इसका निर्वहन प्रत्येक वर्ष स्वतःस्फुर्त भावना से हिन्दी पखवाड़े के आयोजन के साथ किया जाता रहा है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल राजभाषा नियम 1976 के तहत 'क' क्षेत्र में स्थित है तथा इसके कार्यक्षेत्र में स्थित राज्य (मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व राजस्थान) भी 'क' क्षेत्र में ही हैं । अतः यह कार्यालय हिन्दी में अधिकाधिक कार्य करने हेतु प्रतिबद्ध है। यह कार्यालय राजभाषा नियम 1976 की धारा 10 (4) के अंतर्गत पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा अधिसूचित भी किया जा चुका है।

कार्यालय द्वारा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की समस्त छः माही बैठकों में अनिवार्य रूप से भाग लिया जाता है तथा राजभाषा के नियम के अनुपालनार्थ क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल द्वारा भी प्रत्येक वित्तीय वर्ष में 4 संगोष्ठियों का आयोजन किया जाता रहा है तथा सभी बैठकों में गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के प्रतिनिधि की सहभागिता व मार्गदर्शन हेतु उन्हें आमंत्रित किया जाता है।

क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल, राजभाषा नियमों का परिपालन वर्ष भर करता है तथा विभिन्न अवसरों पर इस संदर्भ में प्रचार-प्रसार भी करता है, विगत वर्ष में क्षेत्रीय निदेशालय द्वारा विभिन्न तकनीकी व सामान्य प्रतिवेदनों को हिन्दी में तैयार ही नहीं किया गया, अपितु केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की वेबसाइड **(http://cpcb.nic.in)** पर भी अपलोड किया गया है, जहाँ से हिन्दी भाषा का वृहद प्रचार-प्रसार हो रहा है । कार्यालय द्वारा हिन्दी में तैयार किए गए प्रमुख प्रतिवेदन निम्नलिखित हैं :-

- विश्व पर्यावरण दिवस 2019 का प्रतिवेदन
- कार्यशाला प्रतिवदेन
- पर्याभाष पत्रिका का 6वाँ अंक

- अंतर्राज्यीय नदी प्रबोधन - प्रतिवेदन 2019
- मंत्रालय की हिन्दी पत्रिका मे लेख प्रकाशन

इनके अतिरिक्त राजभाषा नियम की धारा 3(3) में उल्लेखित समस्त दस्तावेजों को द्विभाषी जारी किया जाता है तथा कार्यालय का अधिकतम पत्राचार हिन्दी में ही किया जा रहा हैं।

वर्तमान में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का भी विचारों के आदान-प्रदान व जन-जागरूकता के क्षेत्र में प्रभावी योगदान है। इस दृष्टिकोण से कार्यालय द्वारा

'पर्याभाष' नामक ई-पत्रिका का संपादन १४ सितंबर, २०१२ से प्रारंभ किया गया है तथा अब तक इसके 06 अंक प्रकाशित हो चुके हैं । इस पत्रिका के माध्यम से पर्यावरण के क्षेत्र में कार्यरत व चिंतन करने वाले व्यक्तियों के पर्यावरण विषय पर लिखे लेखों का संकलन किया जाता है। 'पर्याभाष' ई-पत्रिका के अंक में मुख्यालय सहित सभी क्षेत्रीय निदेशालय के अधिकारियों द्वारा प्राप्त तकनीकी लेख हिन्दी में प्रकाशित किये गए थे। यह पत्रिका केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की वेबसाइड (http://www.cpcb.nic.in/Paryabhash.pdf) पर भी उपलब्ध है।

02. हिन्दी-पखवाड़ा कार्यक्रम 1-13 सितंबर 2019

राजभाषा अधिनियम व नियमों के प्रावधानों के अनुसार क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल में वर्ष भर ही हिन्दी में प्राथमिकता के आधार पर कार्य किया जाता है तथा हिन्दी दिवस के अवसर पर समग्र रूप से वर्षभर किए गए कार्यों की समीक्षा की जाती है तथा कालांतर में किस तरह कार्यान्वयन किया जाय इस बाबत मंथन भी किया जाता है। इस वर्ष भी हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत 1

सितंबर से 13 सितंबर 2019 के मध्य अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया तथा इसका समापन सांस्कृतिक संध्या के साथ हिन्दी दिवस के अवसर पर किया गया।

कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत डॉ.पी.के. बेहेरा, क्षेत्रीय निदेशक के उदबोधन से हुई उन्होने बताया भारत सरकार के सभी मंत्रालयों विभागो, कार्यालयों, उपक्रमों मे राजभाषा विकास का प्रयास किया जा रहा है तथा इसका शत प्रतिशत अनुपालन हमारे कार्यालय द्वारा किए जाने का प्रयास किया जाना चाहिए। हमारे कार्यालय में चूंकि अधिकतर कार्य तकनीकी व न्यायालयीन प्रकृति का है इस वजह से कभी-कभी चाहकर भी पूर्णत: हिन्दी का प्रयोग नहीं किया जा पा रहा है।

क्षेत्रीय निदेशक ने यह भी बताया कि राजभाषा नीति, वार्षिक कार्यक्रम आदि द्वारा राजभाषा कार्यान्यवन को विस्तृत और स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है किन्तु इसके बावजूद विभिन्न सरकारी कार्यालय स्वयं को राजभाषा कार्यान्यवन के लिए पूरी तरह से सुसज्जित नहीं हो सके हैं। उन्होंने बताया की कुछ गिने-चुने कार्यालय ही हैं, जो राजभाषा कार्यान्वयन गति, गरिमा और गहनधर्मिता को निर्मित करने में सफल रहे हैं और हमारा कार्यालय उसमें से एक है यह हमारे लिए गर्व की बात है। सामान्य चर्चा के दौरान यह पक्ष भी सामने आया कि हिन्दी के संबंध में यह देखा गया है कि अनेक महत्वपूर्ण मंचों पर शीर्ष स्तर की बैठकों में हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में व्यापक प्रसार और प्रयोग के लिए सरकारी कामकाज में बोलचाल की भाषा में उपयोग पर बल दिया जा रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आज की लोकप्रिय भाषा अंग्रेजी ने भी अपने स्वपरूप को बदलते समय के साथ खूब ढाला है। आज की युवा पीढ़ी अंग्रेजी के विख्यात

साहित्यकारों जैसे शेक्सपियर, विलियम थैकरे या मैथ्यू आर्नल्ड् की शैली की अंग्रेजी मे नहीं लिखती है। अंग्रेजी भाषा में भी विभिन्न भाषाओं ने अपनी जगह बनाई है, तथा इसके कामकाजी हिंदी के रूप को भी सरल तथा आसानी से समझ में आने वाला बनाना होगा। राजभाषा में कठिन और कम सुने जाने वाले शब्दों के उपयोग से राजभाषा को अपनाने में हिचकिचाहट बढ़ती है। शालीनता और मर्यादा को सुरक्षित रखते हुए भाषा को सुबोध और सुगम बनाना आज के समय की माँग है। क्षेत्रीय निदेशक के राजभाषा विकास के संक्षिप्त उदबोधन के पश्चात हिन्दी पखवाड़े के विभिन्न कार्यक्रमों को प्रारंभ किया गया। इस श्रंखला में आयोजित कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है :-

03. यूनिकोड टंकण प्रतियोगिता (दिनांक 04.09.2019) :-

कार्यालय में हिन्दी के सामान्य पत्राचार व दैनिक कार्यों में हिन्दी टंकण की आत्मनिर्भरता के उद्देश्य से यूनिकोड सॉफ्टवेयर का संस्थापन सभी कम्प्यूटरों में किया गया है तथा इसका प्रयोग अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा निरंतर किया जाने

लगा है तथा कई तकनीकी प्रतिवेदन भी यूनिकोड के माध्यम से बनाये गये है । यूनिकोड टंकण के प्रोत्साहन हेतु इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता की विशेषता यह रही कि इसमें कार्यालय के उन कर्मचारियों ने भी भाग लिया जो सामान्यत: कम्प्यूटर का उपयोग नहीं करते हैं, जैसे कि प्रयोगशाला सहायक, परिचर आदि। इस प्रतियोगिता में 'प्लास्टिक प्रदूषण' विषय पर लेख यूनिकोड में टंकण हेतु दिया गया था। प्रतियोगिता में सही व शुद्ध टंकण करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्रीमती फरजाना खान द्वितीय स्थान श्री अनिल कुमार, तृतीय स्थान श्री सुनील कुमार

मीणा, चतुर्थ श्री प्रहलाद बघेल, ने प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता का आयोजन व संचालन श्री एस.डी.बोकड़े अनुभाग अधिकारी द्वारा किया गया।

04. 'हिन्दी' लिखित प्रतियोगिता (दिनांक 05.09.2019) :-

क्षेत्रीय निदेशालय में विभिन्न राजभाषा क्षेत्रों के व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व है तथा इसमें 'ख' व 'ग' क्षेत्र के कर्मचारियों में राजभाषा के प्रति प्रोत्साहन हेतु विशेष हिन्दी प्रश्नोत्तरी/लेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के द्वितीय चरण में लिखित प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। इस प्रश्नपत्र में मुख्य रूप से मुहावरों के अर्थ, पर्यायवाची व विलोम शब्दों का प्रयोग, लोकोक्ति व मुहावरे, भाषा व लिपि मिलान तथा राजभाषा संबंधी सामान्य प्रश्न पूछे गये। प्रतियोगिता में कार्यालय के 20 आधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा उत्साहपूर्वक भाग लिया गया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य कार्यालय में टिप्पण, राजभाषा के नियमों का ज्ञान तथा 'ख' व 'ग' क्षेत्र के कर्मियों को प्रोत्साहन प्रदान करना था। प्रतियोगिता में औसत आधार पर 100 अंकों के प्रश्नपत्र में सभी ने औसत 75 अंक प्राप्त किए, जो कि कार्यालय द्वारा राजभाषा विकास हेतु किए जा रहे सतत प्रयासों का सुखद परिणाम है। प्रतियोगिता हेतु छः दल बनाये गये थे जिसमे तकनीकी, प्रशासन, लेखा व प्रयोगशाला के सदस्यों को सम्मिलित किया गया था।

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान डॉ.वाय.के.सक्सेना के दल, द्वितीय स्थान डॉ.आर.पी.मिश्रा के दल, तृतीय स्थान श्री सुनील कुमार मीणा के दल, चतुर्थ स्थान डॉ. पौलमी सी. पाटिल के दल ने प्राप्त किया। सभी सहभागियों ने प्रश्न पत्र उत्साह के साथ हल किया तथा प्रश्न पत्र समाप्ति के बाद आपस में विचारों का आदान-प्रदान किया गया तथा दिये गये प्रश्नों पर अपने मत-मतांतरों से सभी को अवगत करवाया। इस प्रतियोगिता का आयोजन डॉ रानू चौकसे वर्मा वैज्ञानिक 'ख' द्वारा किया गया।

05. 'राजभाषा व पर्यावरणीय क्विज' प्रतियोगिता (दिनांक 11.09.2019) :-

प्रतियोगिता का शुभारंभ क्षेत्रीय निदेशक की उपस्थिति में किया गया। इस प्रतियोगिता में राजभाषा, पर्यावरण, सामान्य ज्ञान व तकनीकी विषयों से संबंधित विभिन्न प्रश्नों का संकलन किया गया था, जो कार्यालय के ही दैनिक कार्यकलापों से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से संबंधित थे। प्रतियोगिता हेतु चार दल बनाये गये थे- जिसमें तकनीकी व वैज्ञानिक, प्रशासन व लेखा प्रभाग के सदस्यों को सम्मिलित किया गया था। प्रतियोगिता का उद्देश्य कार्यालय के सभी सदस्यों को सहभागी बनाना था जिसमें विशेष रूप से 'ख' व 'ग' क्षेत्र के अधिकारी/कर्मचारी है। इस प्रतियोगिता में बहुविकल्पीय प्रश्न भी पूछे गये। प्रतियोगिता में प्रशासन व लेखा से संबंधित कर्मचारियों ने भी अत्यधिक उत्साह दिखाया जो उनके राजभाषा के प्रति लगाव व तकनीकी विषयों में भी सहभागिता को दर्शाता है। प्रतियोगिता में राजभाषा संबंधी, चंद्रयान प्रक्षेपण संबंधी, गुप्त कालीन इतिहास, विज्ञान व संधि-समास संबंधी प्रश्नों का समावेश किया गया।

इस प्रतियोगिता में कुल 20 प्रतिभागियों ने चार दल बनाकर भाग लिया तथा प्रथम स्थान डॉ रानू चौकसे वर्मा के दल, द्वितीय स्थान श्री सुनील कुमार मीणा के दल, तृतीय स्थान श्री प्रवीण जैन के दल व चतुर्थ स्थान डॉ. पौलमी सी. के दल ने प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता का आयोजन डॉ. वाय.के. सक्सेना, वैज्ञानिक 'ख' द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता में निर्णय क्षेत्रीय निदेशक व श्री एस.डी.बोकड़े हिन्दी अधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

06. "प्लास्टिक प्रदूषण' व 'जल संरक्षण की मानव जीवन में उपयोगिता' विषय पर हिन्दी संभाषण प्रतियोगिता (दिनांक 13.09.2019):-

उपरोक्त विषय पर संभाषण प्रतियोगिता में संयुक्त प्रथम पुरस्कार श्री सुनील कुमार मीणा व डॉ.वाय.के.सक्सेना को प्राप्त हुआ। दोनों ही वक्ताओं ने जल प्रबंधन, जल संरक्षण तथा जल प्रदूषण करने वाले स्त्रोतों को चिन्हित कर प्रदूषण की रोकथाम विषय पर प्रभावी प्रस्तुति दी। संभाषण का द्वितीय पुरस्कार श्री संजय मुकाती ने प्राप्त किया उन्होने रेन वॉटर हार्वेस्टिंग व मोर क्रॉप पर ड्रॉप की अवधारणा पर प्रकाश डाला। प्रतियोगिता का संयुक्त तृतीय पुरस्कार श्री अनिल कुमार व श्री सचिन साहू को प्रदान किया गया। दोनों वक्ताओं ने आर.ओ.वॉटर प्लांट से जल के अपव्यय व जीरो वॉटर डे विषय पर अपने विचार रखे। संयुक्त चतुर्थ पुरस्कार श्री राजीव शर्मा व सुरेन्द्र भाटिया को प्राप्त हुआ इसमें श्री शर्मा ने जल संरक्षण व श्री भाटिया ने प्लास्टिक प्रदूषण पर अपने विचार प्रस्तुत किये। इस प्रतियोगिता मे श्री सुरेश चौहान द्वारा भी सहभागिता की गई। संभाषण प्रतियोगिता का संचालन डॉ.रानू चौकसे वर्मा वैज्ञानिक 'ख' द्वारा किया गया।

07. 'हिन्दी टिप्पण व आलेखन' प्रतियोगिता:-

उपरोक्त प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त गत वर्ष में सर्वाधिक हिन्दी टिप्पण व आलेखन करने वाले कर्मियों के उत्साहवर्धन हेतु भी पुरस्कार प्रदान किये गये। इसमें प्रथम विजेता श्रीमती फ़रजाना खान, द्वितीय श्री राजीव शर्मा व सांत्वना पुरस्कार श्री अनिल कुमार को प्राप्त हुआ। उक्त टिप्पण व हिन्दी आलेखन हेतु प्राप्त आवेदन का मूल्यांकन कार्यालय की आंतरिक समिति द्वारा किया जिसके सदस्य डॉ.आर.पी.मिश्रा वैज्ञानिक 'घ' व श्री सुनील कुमार मीणा वैज्ञानिक 'घ' थे।

08. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की द्वितीय बैठक (13.09.2019):-

हिन्दी दिवस के अवसर पर प्रात: 10.00 बजे राजभाषा कार्यान्वयन समिति की द्वितीय बैठक का आयोजन भी किया गया, बैठक की अध्यक्षता डॉ.पी.के.बेहेरा क्षेत्रीय निदेशक द्वारा की गई। बैठक का संचालन हिन्दी अधिकारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में श्री एस.डी.बोकड़े, हिन्दी अधिकारी ने विगत वर्षो में कार्यालय द्वारा राजभाषा के किन-किन क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किया है व राजभाषा सम्बन्धी उपलब्धियों से अध्यक्ष व सभी सहयोगियों को अवगत कराया तथा राजभाषा हिन्दी में स्वयं काम करने तथा दूसरों को भी प्रोत्साहित करने हेतु संकल्पित रहने की अपील की तथा यह जानकारी प्रदान की गई कि कार्यालय द्वारा लगभग 90% कार्य हिन्दी में किया जा रहा है तथा इस उच्चतम स्तर को बनाए रखने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर उन्होनें हिन्दी पत्राचार को और अधिक बढ़ाने तथा आगमी दिनों में पुनः हिन्दी पुरस्कार प्राप्त करने हेतु सभी को सामुदायिक प्रयास की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। श्री बोकड़े ने अवगत करवाया कि हिंदी के सरल रूप को अपनाने के लिए राजभाषा विभाग ने समय-समय पर निर्देश जारी किए हैं, जिसमें हिन्दी को सरल भाषा में लिखने संबंधी निर्देश दिये हैं तथा कार्यालय ज्ञापन संख्या ॥/13034/23/75-रा.भा.(ग) दिनांक 17.3.1976 में यह स्पष्ट लिखा गया था कि सरकारी हिंदी कोई अलग किस्म की हिंदी नहीं है। यह काफी नहीं है कि लिखने वाला अपनी बात खुद समझ सके कि उसने क्या लिखा है, जरूरी तो यह है कि पढ़ने वाले को समझ में आ जाए कि लिखने वाला कहना क्या चाहता है। इस ज्ञापन में यह सलाह भी दी गई कि दूसरी भाषाओं के प्रचलित शब्दों का प्रयोग करने में हिचक नहीं होनी चाहिए। यदि हिंदी में लिखा तकनीकी शब्द कठिन लगे, तो 'ब्रेकेट' में अंग्रेजी पर्याय लिखा जाना चाहिए। आधुनिक यंत्रों, तरह-तरह के पुर्जों और नए जमाने की

चीजों के जो अंग्रेजी नाम चलते हैं, उनका कठिन अनुवाद करने के स्थान पर उन्हें फिलहाल मूल रूप में ही देवनागरी लिपि में लिखना सभी के हित में होगा।

सरकारी कार्यालयों में हिंदी भाषा में भी अंग्रेजी के शब्द प्रचलित हो गए हैं जैसे-टिकट, सिग्नल, लिफ्ट, स्टेंशन, रेल, पेंशन, पुलिस, ब्यूरो, रेल, मेट्रो, एयरपोर्ट, स्कूल, बटन, फीस, बिल, कमेटी, अपील, ऑफिस, कंपनी, बोर्ड गजट, तथा अरबी, फारसी, तुर्की के शब्द जैसे अदालत, कानून, मुकदमा, कागज, दफ्तर, जुर्म, जमानत, तनख्वारह, तबादला, फौज, बंदूक, मोहर को भी भाषा में प्रवाह बना रहे इस बाबत उसी रूप में अपनाया गया है। यदि कोई तकनीकी अथवा गैर-तकनीकी ऐसा शब्द है जिसका हिंदी पर्याय नहीं है तो उसे देवनागरी में जैसे का तैसा लिख सकते है जैसे इंटरनेट, वेबसाइट, पेनड्राइव, ब्लाग आदि।

बैठक के अंत में क्षेत्रीय निदेशक ने चर्चा के विभिन्न बिंदुओं को सारगर्भित करते हुए राजभाषा कार्यों के अनिवार्य क्रियान्वयन पर बल दिया, तथा बताया कि जब-जब सरकारी कामकाज में हिंदी में मूल कार्य न कर उसे अनुवाद की भाषा के रूप में उपयोग किया जाता है तो हिंदी का स्वरूप अधिक जटिल और कठिन हो जाता है। अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद की शैली को बदलने की सख्त आवश्यकता है। अच्छे अनुवाद में भाव को समझकर वाक्यं की संरचना जरूरी है, न कि प्रत्येक शब्द का अनुवाद करते हुए वाक्यों का निर्माण करने की। बोलचाल की भाषा में अनुवाद करने का यह अर्थ है कि, उसमें अन्य भाषाओं जैसे उर्दू, अंग्रेजी और अन्य प्रांतीय भाषाओं के लोकप्रिय शब्द भी खुलकर प्रयोग में लाए जाएँ।

क्षेत्रीय निदेशक ने यह भी बताया की केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड पर्यावरण संरक्षण हेतु भारत की एक शीर्ष संस्था है तथा मूलतः तकनीकी व वैज्ञानिक कार्यों का संपादन करती है। हमारी कार्यप्रणाली अंग्रेजी से ज्यादा प्रभावित रहती है क्योकि तकनीकी व न्यायालयीन कार्यों में अभी हिन्दी सर्वमान्य नहीं है यद्यपि क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल का सदैव प्रयास रहा है कि राजभाषा नियमों का पूर्णत: पालन सुनिश्चित किया जाये।

09. सांस्कृतिक कार्यक्रम व पुरस्कार वितरण समारोह (14.09.2019) :-

क्षेत्रीय निदेशालय,भोपाल द्वारा वर्ष 2019 के हिन्दी पखवाड़े के दौरान आयोजित किए गये कार्यक्रमों का समापन सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ.पी.के.बेहेरा क्षेत्रीय निदेशक द्वारा की गई, जिनकी अनुमति पश्चात श्री एस.डी.बोकड़े, हिन्दी अधिकारी द्वारा संक्षिप्त उद्बोधन में हिन्दी दिवस की महत्ता व इस कार्यालय द्वारा किए गए विशेष कार्यों पर प्रकाश डाला।

क्षेत्रीय निदेशक द्वारा अपने संक्षिप्त उद्बोधन में शासकीय कार्यालयों में राजभाषा विकास की वर्तमान आवश्यकता पर ज़ोर दिया तथा भोपाल कार्यालय को इस क्षेत्र मे सदैव अग्रणी रहने का प्रयास करने हेतु निर्देश प्रदान किए। तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के विधिवत शुभारंभ में सर्वप्रथम श्रीमती फरजाना खान ने माननीय श्री अमित शाह, गृह मंत्री का हिन्दी दिवस 2019 के अवसर पर जारी संदेश को सभी को पढ़कर सुनाया।

सांस्कृतिक संध्या में सर्वप्रथम श्री संजय मुकाती द्वारा 'कोई दीवाना होता है' व मालवी भाषा मे गीत की प्रस्तुति की। राजभाषा के साथ मातृ भाषा को भी बराबर सम्मान देते हुए डॉ. पौलमी सी. पाटिल द्वारा बांग्ला गीत की प्रस्तुति दी इसके बाद श्री सुरेन्द्र कुमार भाटिया व्यंग प्रस्तुति दी।

अंत मे क्षेत्रीय निदेशक द्वारा राजभाषा कार्यान्यवन में राजभाषा विकास हेतु किए उत्कृष्ट प्रयासों की प्रशंसा की तथा राजभाषा कार्यान्यवन की गतिशीलता को स्वागत योग्य बताया।

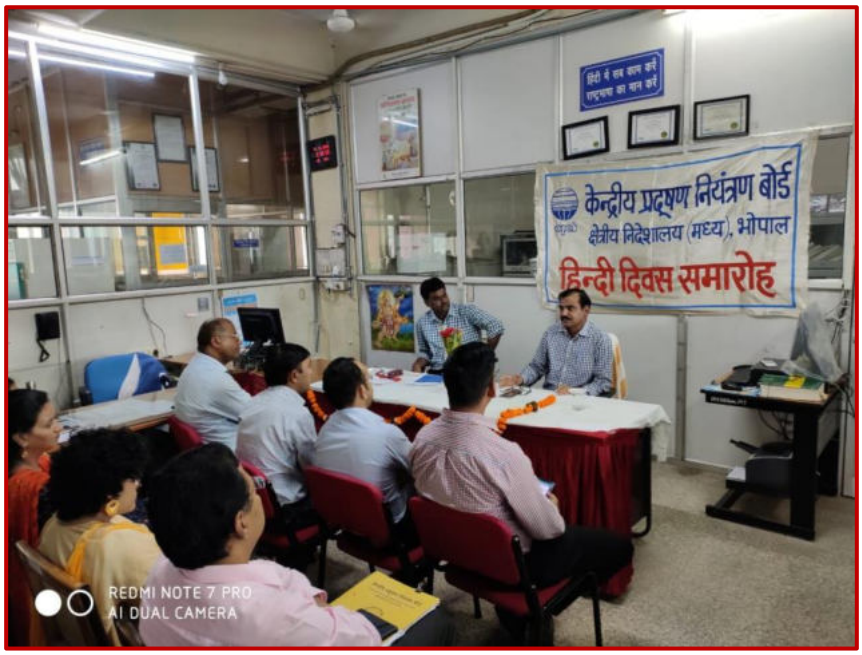

कार्यक्रम के अगले चरण में हिन्दी पखवाड़े में पूर्व में आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को नकद पुरस्कार डॉ.पी.के.बेहेरा क्षेत्रीय निदेशक द्वारा प्रदान किए गये।

सांस्कृतिक कार्यक्रम का संपूर्ण संचालन डॉ.रानू चौकसे वर्मा द्वारा बहुत ही रुचिकर ढंग से किया गया जिससे कार्यक्रम की गरिमा और बढ़ गई। डॉ.रानू द्वारा कार्यक्रम के दौरान हिन्दी के विकास, हिन्दी के उत्थान में हिन्दी के किन-किन महान कवि व ग्रंथकारो ने योगदान दिया है इस बाबत भी जानकारी प्रदान की। संचालन के दौरान उन्होने आमिर खुसरो से लेकर वर्तमान हिन्दी साहित्यकारों के द्वारा हिन्दी के निरंतर विकास तथा इसमे केंद्रीय कार्यालयों की भूमिका को बहुत सुगमता से सूत्रबद्ध किया।

कार्यक्रम के अंत में राजभाषा कार्य में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष सहयोग करने वाले सभी सहकर्मियों के प्रति श्री एस.डी.बोकड़े, हिन्दी अधिकारी द्वारा आभार व्यक्त किया एवं सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को इस आयोजन को सफल बनाने हेतु धन्यवाद दिया व मुख्य अतिथि द्वारा उनकी उपस्थिति से समारोह की गरिमा बढ़ाने पर

आभार व्यक्त किया गया तथा राजभाषा कार्यो की निरंतरता बनाये रखने के अनुरोध के साथ कार्यक्रम को विराम देने की घोषणा की गई।

(एस.डी.बोकड़े)
हिन्दी अधिकारी

(डॉ.पी.के.बेहेरा)
क्षेत्रीय निदेशक

हिन्दी पखवाड़ा 2019 कार्यक्रम की अन्य झलकियाँ

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
क्षेत्रीय निदेशालय (मध्य), भोपाल
हिन्दी दिवस समारोह

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
क्षेत्रीय निदेशालय (मध्य), भोपाल
हिन्दी दिवस समारोह

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
क्षेत्रीय निदेशालय (मध्य), भोपाल
हिन्दी दिवस समारोह

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
क्षेत्रीय निदेशालय (मध्य), भोपाल
हिन्दी दिवस समारोह

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
क्षेत्रीय निदेशालय (मध्य), भोपाल
हिन्दी दिवस समारोह

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
क्षेत्रीय निदेशालय (मध्य), भोपाल
हिन्दी दिवस समारोह

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
पुस्तकालय

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
पुस्तकालय

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
हिन्दी दिवस समारोह

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
क्षेत्रीय निदेशालय (मध्य), भोपाल

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
पुस्तकालय

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
पुस्तकालय

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
पुस्तकालय

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
क्षेत्रीय निदेशालय (मध्य)
सहकार भवन, चतुर्थ तल, नॉर्थ टी.टी. नगर, भोपाल- 462 003

हिन्दी दिवस समारोह

(13 सितम्बर, 2019)

10:00 बजे राजभाषा समिति की द्वितीय तिमाही की कार्यशाला

11:00 बजे हिन्दी संभाषण प्रतियोगिता के विषय 'प्लास्टिक प्रदूषण' व 'जल संरक्षण की मानव जीवन में उपयोगिता' थे।

पुरस्कार वितरण व सांस्कृतिक कार्यक्रम

12:00 बजे हिन्दी दिवस समारोह प्रारंभ व दीप प्रज्वलन

12:10 बजे हिन्दी अधिकारी द्वारा मुख्य अतिथि का स्वागत
एवं
मुख्य अतिथि का संबोधन

12:30 बजे विभिन्न प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण
एवं
सांस्कृतिक कार्यक्रम (गीत, कविता आदि)

2:00 बजे धन्यवाद एवं आभार

कार्यालय में 2019 में आयोजित प्रतियोगिताओं का परिणाम

क्रमांक	नाम	परिणाम
01	**यूनीकोड प्रतियोगिता (04.09.2019)**	
	श्रीमती फरजाना खान	प्रथम
	श्री अनिल कुमार	द्वितीय
	श्री सुनील कुमार मीणा	तृतीय
	श्री प्रहलाद बघेल	चतुर्थ
02	**लिखित प्रतियोगिता (05.09.2019)**	
	डॉ. योगेंद्र कुमार सक्सेना श्री एस.डी. बोकड़े श्री सलामुद्दीन	प्रथम
	डॉ. रवि प्रकाश मिश्रा श्री प्रवीण कुमार जैन श्री संजय कुमार मुकाती श्री सचिन कुमार साहू	द्वितीय
	श्री सुनील कुमार मीणा श्री रामेश्वर बंदेवार श्री राजीव शर्मा श्री संदीप बघेल	तृतीय
	डॉ. पौलमी सी. पाटिल श्री अनिल कुमार श्री सुरेन्द्र कुमार भाटिया श्री जगजीवन	चतुर्थ
03	**प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (11.09.2019)**	
	श्रीमती रानू चौकसे वर्मा श्री अनिल कुमार श्री सचिन साहू श्री संदीप बघेल श्रीमती ज्योति	प्रथम
	श्री सुनील कुमार मीणा श्री संजय मुकाती श्री राजीव शर्मा श्री सुरेन्द्र कुमार भाटिया श्री सुरेश कुमार चौहान	द्वितीय

	श्री प्रवीण कुमार जैन श्रीमती फरजाना खान श्रीमती रश्मि ठाकुर श्री शिव शंकर शुक्ल	तृतीय
	डॉ. पौलमी सी. पाटिल श्री सुनील कोल्हटकर श्री प्रहलाद बघेल श्री जगजीवन श्री सलामुद्दीन	चतुर्थ
04	**संभाषण प्रतियोगिता (13.09.2019)**	
	श्री सुनील कुमार मीणा व डॉ.वाय.के.सक्सेना	संयुक्त प्रथम
	श्री संजय कुमार मुकाती	संयुक्त द्वितीय
	श्री अनिल कुमार व श्री सचिन कुमार साहू	संयुक्त तृतीय
	श्री राजीव शर्मा व श्री सुरेन्द्र भाटिया	संयुक्त चतुर्थ
05	**हिन्दी टिप्पण, आलेखन प्रतियोगिता**	
	श्रीमती फरज़ाना खान	प्रथम
	श्री राजीव शर्मा	द्वितीय
		तृतीय
	श्री अनिल कुमार	चतुर्थ